Dr. Seema Kumari, Asst. Prof. (Pol. Sc.),
RMC, VKSU. Date - 18.06.2021, BA I (Subs.)

बहुलवाद के प्रमुख सिद्धांत

राजनीतिक बहुलवाद के अनुसार समाज में एक संप्रभुतासंपन्न सत्ताधारी राज्य के स्थान पर अपने-अपने क्षेत्र में स्वतंत्र व राज्य के समकक्ष अनेक समुदायों के अस्तित्व का प्रतिपादन किया जाता है। ये समुदाय राज्य के बराबर ही हो, समाज के संघात्मक स्वरूप पर बल देते हैं।

बहुलवाद के मौलिक सिद्धांत -

1. राज्य केवल एक समुदाय है - राज्य का कार्यक्षेत्र राजनीतिक पहलू से संबंधित है राज्य को यही तक सीमित रहना चाहिए। अन्य समुदाय राज्य के ही समकक्ष हैं और राज्य के समान ही ये समुदाय भी अपने क्षेत्रों में पूर्ण शक्तिशाली होने चाहिए।

2. बहुलवादी राज्य और समाज में अंतर करते हैं- राज्य समाज का एक ऐसा अंगमात्र है जो उद्देश्य और कार्यक्षेत्र की दृष्टि से समाज का सहगामी नहीं हो सकता।

3. बहुलवादी नियंत्रित राजसत्ता में विश्वास करते हैं - बहुलवाद आस्टिन आदि के असीमित संप्रभुता के सिद्धांत के विरुद्ध प्रतिक्रिया है। यह असीमित संप्रभुता का खंडन करता है और आंतरिक व बाह्य दोनों क्षेत्रों में संप्रभुता को सीमित करता है।

Scanned with CamScanner

4. बहुलवाद राज्य से कानून को स्वतंत्र और उच्च मानता है। डिग्विट और क्रैब के विचार उल्लेखनीय है। विधि राजनीतिक संगठन से स्वतंत्र असंशोध्य और प्रवर्तालित होती है। विधि के बिना सामाजिक एकता या संगठन या मनुष्यों का एक दूसरे पर निर्भर करना संभव नहीं है। राज्य का व्यक्तित्व एक निरी कल्पना मात्र है।

5. बहुलवाद विकेंद्रीकरण में विश्वास करता है - स्थानीय समस्याओं का समाधान शक्तियों के केंद्रीकरण के माध्यम से नहीं किया जा सकता। संघात्मक सामाजिक संगठन ही मानवीय जीवन की बहिर्मुखी आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है।

6. बहुलवाद एक जनतंत्रात्मक विचारधारा है जो जिसमें शासन व्यवस्था का संगठन नीचे से ऊपर की ओर हो। संप्रभुता के अन्य संघों में समान वितरणों को वे जनतंत्रात्मक प्रणाली का प्रतीक मानते हैं। बहुलवादी विचारक जी डी एच कोल प्रजातंत्र में व्यावसायिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत के विशेष समर्थक हैं।

संप्रभुता का बहुलवादी सिद्धांत इसे कानूनी की सीमित क्षेत्र से बाहर निकालकर राजनीतिक क्षेत्र में ले आता है। फिंडसे, मेकाइवर ने यह स्वीकार किया कि समाज के कई संगठन राज्य से भी ज्यादा गहरी निष्ठा के पात्र हैं। एच. जे. लास्की ने बहुलवादी प्रतिरूप का प्रयोग आर्थिक शक्ति के जमाव को रोकने के उद्देश्य से किया जो कि पूंजीवाद की उपज था। बहुलवादी सिद्धांत तब उस समय समस्या उत्पन्न करते हैं जब विभिन्न समुदाय अपने हितों की पूर्ति के लिए राज्य के कार्यों को प्रभावित करने लगते हैं।